मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

17 सितम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 20 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

विराट व्यक्तित्व नरेन्द्र मोदी 'सेवा प्रथम' भाव से ओतप्रोत नेतृत्व

अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और पड़ोसी देशों के साथ तनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण नेतृत्व में भारत की विकास गाथा देख पूरी दुनिया के रणनीतिकार न केवल आश्चर्यचकित हैं बल्कि आशावान भी हैं कि भविष्य में वैश्विक संकटों का समाधान भी भारत भूमि से ही प्रकट होगा। शांति काल, युद्ध काल या आपदा काल में समभाव बनाए रखते हुए अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार सटीक तथा लक्षित रणनीति के साथ समाधान प्रस्तुत किये हैं, उससे वैश्विक स्तर पर उनके प्रति भरोसा और दृढ़ हुआ है।

नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने असाधारण नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है। वह एक मजबूत नेता हैं जो अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें भारत और विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बनाया है।

प्रधानमंत्री एक दूरदर्शी नेता हैं जो भारत के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की शुरुआत की है। इनमें स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया आदि हैं जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद कर रहे हैं। जनता से मिले व्यापक समर्थन, लोकप्रियता और उनके व्यक्तित्व के अद्भुत प्रभाव ने उन्हें एक दृढ़ निश्चयी नेता बनाया है जो कठोरतम निर्णयों को भी सहज भाव में लागू करने में सक्षम हैं। नरेन्द्र मोदी का विराट व्यक्तित्व उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन का परिणाम है। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है, जो उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाता है।

नरेन्द्र मोदी का आरंभिक जीवन गुजरात के एक छोटे से शहर वडनगर में बीता। पिता दामोदर दास मूलचंद मोदी और माता हीराबेन के परिवार में 17 सितंबर 1950 को उनका जन्म हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और पिता चाय की एक दुकान चलाते थे। अपनी स्कूली शिक्षा वडनगर में पूरी करने के बाद में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। उन्होंने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया। इसी मेहनत और संघर्ष ने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचाया।

युवावस्था से ही गृहस्थ जीवन को त्याग सामाजिक जीवन में प्रवेश करने वाले नरेन्द्र मोदी का पूरा जीवन निस्वार्थ सेवा भाव में ही व्यतीत हुआ है और आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के शीर्ष पद पर विराजमान होने के बावजूद उनका यह भाव जीवंत है। कई आश्चर्यजनक घटनाओं, झंझावातों और उथल-पुथल से भरे उनके जीवन से विश्व के कई देश और शीर्ष नेतृत्व मार्गदर्शन की आशा रखते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में उन्हें दूसरों से अलग करते हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं जो अपने विरोधियों को आश्चर्यचकित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न रणनीतियों का उपयोग करते हैं। जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख है। इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है।

विश्व में वह एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। राष्ट्र के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने जिस तरह के अमेरिकी टैरिफ मसले पर रणनीति अपनाई है उसने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि भारत राष्ट्र हितों पर किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न देशों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रधानमंत्री के पास एक अनोखा कौशल है। उनकी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। ग्लोबल साउथ के देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और जी- 20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को बुलंद किया है। उन्होंने आर्थिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे देश के व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। सांस्कृतिक कूटनीति का उपयोग करके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास किया है।

पत्रकारों के सुख-दुख में साथ है सरकार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल 14 सितम्बर (एजेंसी)। संचार प्रतिनिधियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा कर 27 सितम्बर की गई । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज को दिशा देने वाले पत्रकारों के सुख-दुख में राज्य सरकार हमेशा उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनसम्पर्क विभाग द्वारा संचालित संचार प्रतिनिधियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी पत्रकारों से गत वित्त वर्ष 2024-25 की तरह ही प्रीमियम लिया जायेगा। पिछले वर्ष से बढ़े हुए प्रीमियम की शेष राशि सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हित में इस समूह बीमा योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख भी बढ़ाकर 27 सितंबर कर दी गई है। पहले इसकी अंतिम तिथि 22 सितंबर थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में कहा कि अब हर वर्ष पत्रकारों से उनके द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 में जो बीमा प्रीमियम दिया गया था, प्रीमियम की वही राशि ली जाएगी। पत्रकारों से गत वित्त वर्ष की भांति प्रीमियम लेने पर राज्य सरकार पर अनुमानित 4.50 करोड़ रूपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा।

नीमच में नवरात्रि गरबा में गैर-हिंदुओं की एंट्री बैन रहेगी

पहचान पत्र दिखाना और तिलक लगाना अनिवार्य, विश्व हिंदू परिषद की बैठक में फैसला

नीमच 14 सितम्बर (निप्र)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की जिला स्तरीय बैठक रविवार को दोपहर आयोजित की गई। बैठक दो सत्रों में आयोजित हुई जो शाम 5 बजे सम्पन्न हुई। गौ सेवा केंद्र में हुई इस बैठक में संगठन की भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला ने मोहल्ला समितियों के माध्यम से हर हिंदू घर तक सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने गौ सेवा और साप्ताहिक मिलन कार्यक्रमों की महत्ता बताई।

वीएचपी के दो नए कार्यक्रम 'विमर्श' और 'नैतिक शिक्षा' की जानकारी भी दी गई। विमर्श के जरिए हिंदू धर्म की भ्रांतियां दूर करने का प्रयास किया जाएगा। नैतिक शिक्षा से बच्चों को धर्म और संस्कृति से जोड़ा जाएगा।

गरबा में सिर्फ हिंदुओं की एंट्री रहेगी - जिला मंत्री कैलाश मालवीय ने नवरात्रि गरबा के लिए नए नियम घोषित किए। गरबा पंडालों में केवल पारंपरिक मूर्तियां ही स्थापित की जा सकेंगी। एआई से डिजाइन की गई मूर्तियों पर प्रतिबंध रहेगा। गरबा में सिर्फ सांस्कृतिक वेशभूषा में आए लोगों को प्रवेश मिलेगा। गैर-हिंदू व्यक्तियों का प्रवेश निषेध रहेगा। प्रवेश से पहले पहचान पत्र की जांच होगी। माथे पर तिलक लगाना अनिवार्य किया गया है।

बैठक में नीमच जिले के विभिन्न प्रखंडों में नए दायित्वों की घोषणा की गई। इस अवसर पर प्रांत, विभाग और जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदी छात्र को अनपढ़ से ज्ञानी बनाती हैं - डॉ. माधुरी चौरसिया

नीमच 13 सितम्बर (निप्र) । हिन्दी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। हिंदी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलवाई हैं। भारत में यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक समझी जाती हैं। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति और संस्कारों का प्रतिबिम्ब है। पूरे विश्व के लोग हिंदी पढ़ने, समझने एवं हिंदुस्तान की संस्कृति को जानने एवं पहचानने के लिए हमारे देश में आ रहे हैं।

अतः आज हम सब यह संकल्प लें कि हम सदा इसका मान बढ़ायेंगे इसे आत्मसात करेंगे। मोबाईल वार्तालाप सब देवनागरी में करेंगे। सभी प्रतिष्ठानों के नाम हिंदी में लिखेंगे। व्यापार, व्यवसाय की भाषा हिंदी होगी। हिंदी को दोयम दर्जे की भाषा नहीं मानेंगे एव उसे बोलने-सीखने में गर्व की अनुभूति करेंगे। उक्त विचार इनरव्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष डॉ. माधुरी चौरसिया ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमाकं 02 में हिंदी दिवस के कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सी.आर.पी.एफ. से समाज सेवी रजनी दत्ता, सी.सी.सी. चेयरमैन पी.डी.सी. संगीता जोशी, प्रमुख वक्ता डॉ. माधुरी चौरसिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इनरव्हील प्रार्थना का वाचन कोषाध्यक्ष अलका चड्डा ने किया। स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष अमरजीत कौर छाबड़ा ने प्रदान किया।

इस अवसर पर रजनी दत्ता ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा में ही बच्चों को पढ़ाना चाहिए। मातृभाषा के माध्यम से ही उनका मानसिक विकास होता हैं। हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यालय में सभी छात्रों की प्राथमिक एवं माध्यमिक वर्ग में सुन्दर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को पुरूस्कार प्रदान किये गए।

छात्रों के लिए हिंदी भाषा में जुड़े प्रश्न मंच का आयोजन भी किया गया जिसमें विजेताओं को ज्ञानोदय द्वारा पुरूस्कार वितरित किये गए। हिंदी दिवस के अवसर पर समाजसेवी रजनी दत्ता के आर्थिक सहयोग से विद्यालय के खेल मैदान में तीन सोलर लाईट लगायी गई। वहीं दूसरी ओर सुनीता डबकरा, शारदा तौर, अंजु जैन एवं फारूख जी के आर्थिक सहयोग से पानी की मोटर लगवा कर पाइप लाईन बिछवाई गई।

कार्यक्रम में शशि मोगरा, बीना खंडेलवाल, शोभा तोतला, प्रीति ग्रोवर, संगीता दुआ, सीमा अरोरा, रजिया अहमद, कुसुम कदम, रागिनी कालरा एवं सुमन अहीर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष तृप्ति दुआ ने किया एवं आभार पूर्व अध्यक्ष हेमांगिनी त्रिवेदी ने माना ।

देलीशा खान भारतीय डॉजबॉल टीम में चयनित, जापान में करेंगी प्रतिनिधित्व

नीमच 14 सितंबर (निप्र)। एशियाई डॉजबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में नीमच की प्रतिभाशाली खिलाड़ी देलीशा खान d/o तोषी मुजम्मिल खान को शामिल किया गया है। यह चैंपियनशिप 26 से 29 सितंबर तक जापान के शहर चिबा में होगी। देलीशा खान कार्मेल कान्वेंन्ट स्कूल नीमच की कक्षा 11 की छात्रा हैं। 13 जुलाई को मध्य प्रदेश के देवास में आयोजित चयन ट्रायल्स में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली । एसोसिएशन ने कहा कि देलीशा का भारतीय टीम मे चयन न केवल उनके लिए बल्कि पूरे नीमच के लिए गर्व क्षण है।

प्रधान डाकघर में डाक बुकिंग रात्रि 8 बजे तक होगी

नीमच । मंदसौर डाक संभाग के अधीनस्थ मंदसौर प्रधान डाकघर एवं नीमच प्रधान डाकघर को रात्रिकालीन डाकघर घोषित किया गया है। उक्त दोनों प्रधान डाकघरों में रात्रिकालीन समय में डाक बुकिंग हेतु एक काउंटर का संचालन किया जाएगा।

नीमच व मंदसौर के प्रधान डाकघर में सोमवार से शनिवार तक डाक बुकिंग काउंटर का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रहेगा। अधीक्षक डाकघर मंदसौर जगदीश शर्मा ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है, कि वे मंदसौर प्रधान डाकघर एवं नीमच प्रधान डाकघर में प्रतिदिन (सोमवार से शनिवार) रात्रि 8 बजे तक डाक बुकिंग (स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री एवं पार्सल) सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी सनातन धर्म का सम्मान करती है, आज देश में भुखमरी से किसी की जान नहीं जाती, भाजपा सरकार निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करवा रही है - कैलाश विजयवर्गीय

अद्भुत संयोग बना, रामतलाई का भूमि पूजन भी कैलाश विजयवर्गीय के हाथों सम्पन्न हुआ, और लोकार्पण भी कैलाश विजयवर्गीय के द्वारा ही हुआ

मनासा 13 सितम्बर (निप्र)। मनासा नगर सहित विधानसभा क्षेत्र को करोडो के विकास कर्यो की सौगात देने आये मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने द्वारिका पूरी धर्मशाला में अपने उद्बोधन में कहा की, देश एवं प्रदेश की सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसके लिए सरकार ने स्थानीय निकायों के निर्वाचनों में महिलाओं को आरक्षण का लाभ दिया है, परिणाम स्वरूप आज नगरीय निकायों में महिला जनप्रतिनिधियों की भागीदारी काफी बढ़ी है। मनासा विधानसभा की तीनो नगर पंचायत इसका एक श्रेष्ट उदाहरण है। प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा शनिवार को नगर पंचायत मनासा द्वारा द्वारकापुरी में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन, शिलान्यास एवं लोकार्पण आदि किये गये, विजयवर्गीय ने मंच से प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के महिलाओ वाले बयान को लेकर तंज कसा और कहा की कॉंग्रेस महिलाओ का सम्मान करना कहाँ जानती हे, और देवी पुराण के एक किस्से को सुनाते हुवे कहा की सनातन धर्म में नारि को देवी माना गया हे, और भारतीय जनता पार्टी सनातन धर्म का सम्मान करती हे ! इस मौके पर नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, मंदसौर के पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, रतलाम विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक पोरवाल, नीमच नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल मनासा नगर परिषद अध्यक्ष डॉक्टर सीमा अजय तिवारी, एवं विभिन्न नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं पार्षदगण, पंचायत पदाधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे।

क्षैत्र की बहनों ने विजयवर्गीय को भेंट की राखी

नगर परिषद् अध्यक्ष डॉ. सीमा अजय तिवारी ने सौंपा मांग पत्र

मनासा को स्वच्छता में प्रथम लाना हे, तो प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी निभानी होगी - नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने उद्बोधन में कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के गरीबों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करने का काम किया है। उन्होंने देश को स्वच्छता का संदेश दिया है।

विजयवर्गीय ने उपस्थित जनों से मनासा को स्वच्छता में पहले नंबर पर लाने का आह्वान करते हुए कहा कि, बगैर जन सहयोग के स्वच्छता में नंबर वन नहीं आ सकते हैं । उन्होंने नागरिकों का स्वच्छता में नंबर वन आने में सहयोग का आह्वान भी किया। उन्होंने सरपंचों से भी अपने गांव को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। उन्होंने जन्नोद की महिला समूह की महिलाओं द्वारा केक बनाने के कार्य और सिलाई प्रशिक्षण के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि, डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है पुलिस भर्ती में भी महिलाओं को आरक्षण का लाभ दिलाया जा रहा है।

मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने अपने उद्बोधन में कहा कि, प्रधानमंत्री ने देश को स्वच्छता का संदेश दिया है। इंदौर ने आठवीं बार स्वच्छता में प्रथम पुरस्कार हासिल किया है । आबादी के मान से नगर परिषद मनासा ने भी स्वच्छता में देश में छठा स्थान एवं प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि, ग्राम पंचायत को पूर्व में 13 और आज 17 स्वच्छता रथ प्रदान किए गए हैं, इनके माध्यम से स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा और शहरों के साथ अब गांव भी स्वच्छ बनेंगे।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

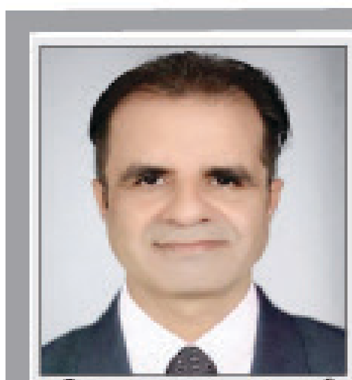

किशन सनमुखदास भावनानी

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का जीएसटी सुधार 2025 सिर्फ एक वित्तीय पहल नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है। यह सुधार भारत को न केवल घरेलू स्तर पर महंगाई से राहत दिलाएगा बल्कि वैश्विक मंच पर उसे और मजबूती से खड़ा करेगा।

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्संरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियां के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब यह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब पर केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से

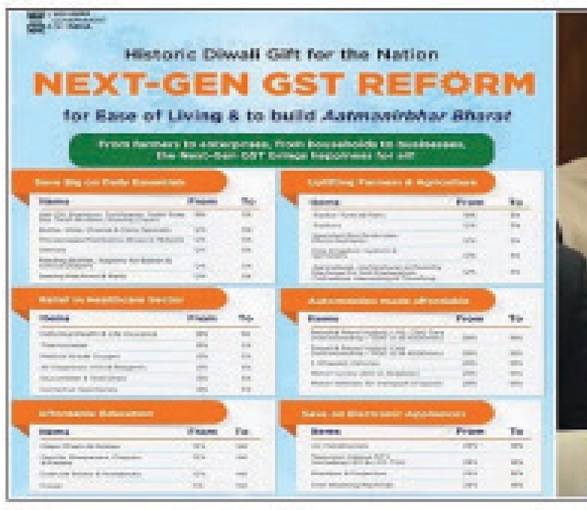

संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो, नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं।(1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा।(2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी।(3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरें से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से करीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए, बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ाने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी मात्रा में भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) 'भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले'-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)'स्वास्थ्य का ध्यान रखो'- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)'घर बनाओ' -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)'बच्चों की पढ़ाई जरूरी है'-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)'फालतू दिखावा मत करो'- इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दर्शाता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

संपादकीय

बढ़ती छटपटाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब कह रहे हैं कि भारत टैरिफ लगा कर हमें मार रहा है। एक रेडियो शो में उन्होंने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील अपने ऊंचे टैरिफ से अमेरिका को मार रहे हैं। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति को जंग सुलझाने वाले हथियार बता रहे हैं, परंतु बातचीत को बेहतरीन ताकत कहा। साथ ही, दावा किया उन्होंने सात जंगें रोकी हैं। अमेरिका को दुनिया की रीढ़ बताते हुए बाइडेन प्रशासन की टैरिफ नीति की आलोचना भी की। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका ने २५प्र अतिरिक्त टैरिफ लगा कर इसे कुल 50प्र. कर दिया था, जिसे कम करने के संकेत बार-बार दिए जा रहे हैं। परंतु ट्रंप के मंत्रियों का कहना है कि रूस से तेल खरीद बंद करने के बाद अतिरिक्त टैरिफ खत्म किया जाएगा। जिस हार्ले-डेविड्सन मोटरसाइकिल की बात ट्रंप कर रहे हैं, उस पर अपने पिछले कार्यकाल में वह खुद काफी सख्त रवैया दिखा चुके हैं। फोर्ब्स के अनुसार इस कंपनी का मार्केट कैप इस वर्ष पौने तीन अरब डॉलर था। चूंकि यह विशिष्ट और समृद्ध लोगों द्वारा प्रयोग की जाने वाली बाइक है, इसलिए भारत सरकार ने इस पर लगाए गए टैरिफ को कम करने पर कभी विचार ही नहीं किया। हालांकि अमेरिकी अदालत द्वारा अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दिया गया और सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए अक्टूबर तक की मोहलत दी है। इसलिए घबराने या अफरा-तफरी की जरूरत नहीं। भारत दुनिया भर के लिए बड़ा बाजार है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती जा रही है। इसलिए हर बड़ी कंपनी को यहां कारोबारी विस्तार में रुचि है। ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएई से लेकर यूरोपियन यूनियन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ समझौते हो चुके हैं, या बात आगे बढ़ रही है। बेशक, अमेरिका के साथ इस टैरिफ वॉर का देश के निर्यात और आर्थिक प्रगति पर असर पड़ने की आशंकाएं हैं क्योंकि सात लाख करोड़.रुपये का सामान भारत द्वारा वहां निर्यात किया जा रहा था, जो 50प्र. टैरिफ बर्दाश्त नहीं कर सकता। खुद को शांति दूत बताने का ट्रंप का दांव स्वांतःसुखाय ज्यादा लगता है। जिन युद्धों को रोकने में वे मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा कर रहे हैं, उसे लेकर दुनिया कायल नहीं नजर आती। शांति का नोबेल झटकने की उनकी रणनीति में भारत ही नहीं, चीन और रूस भी रोड़ा लग रहे हैं। इसलिए उनकी खीज स्वाभाविक कही जा सकती है जिस पर तवज्जो देने की जरूरत नहीं है।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते हैं। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं है। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

युवक-युवती ने विषाक्त पदार्थ सेवन कर दी जान

पीएम में देरी, शव ले जाने को लेकर परिजनों व पुलिस के बीच खींचतान

मंदसौर 15 सितम्बर (निप्र)। लव मैरिज करने के बाद युवक जब युवती को लेकर घर पहुंचा तो विवाद की स्थिति बन गई। विवाद के बाद दोनों ने जहर का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में दोनों को पिपलियामंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां से मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। शव जिला अस्पताल पीएम रूम में रखे गए थे। पोस्टमार्टम प्रक्रिया में देरी होने पर युवती के परिजन बिना पीएम कराए ही शव ले जाने लगे, जिस पर पुलिस और परिजनों के बीच विवाद और हंगामे की स्थिति बन गई और परिजनों व पुलिस के बीच खींचतान हो गई। बाद में पुलिस ने समझाइश देकर पीएम कराया और शव परिजनों को सौंप दिए।

नही दे पाए बयानः- जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह पिपलियामंडी चौकी क्षेत्र के गांव मुन्देड़ी में प्रातः लगभग 8 बजे करीब युवक अरुण (23) पिता अमृतराम मेघवाल और युवती पवित्रा (20) पिता कमल चौहान निवासी सगरग्राम, थाना जीरन जिला नीमच ने कीटनाशक पी लिया। दोनों को गंभीर हालत में परिजन पिपलियामंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। दोनों कुछ बोलने की स्थिति में नही थे, एसे में उनके बयान नही हो पाए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही दोनों की मौत हो चुकी थी।

दो माह से बाहर था अरुणः- ग्रामीणों के अनुसार अरुण मजदूरी करता था। परिवार में दो भाई हैं। पिछले दो महीनों से अरुण बाहर रह रहा था। बताया गया अरुण विवाहित है, जिसकी तारखेड़ा में शादी हो चुकी थी। सोमवार सुबह अरुण युवती पवित्रा के साथ अपने घर मुन्देड़ी गांव पहुंचा। अरुण ने परिजनों को बताया कि उसने युवती से शादी कर ली है। इसी बात को लेकर घर में कहासुनी और विवाद हुआ। विवाद के बाद दोनों ने कीटनाशक का सेवन कर लिया।

युवती घर से थी लापता, परिजन तलाश में थेः- पवित्रा के परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह वह सगरग्राम स्थित घर से कॉलेज जाने का कहकर निकली थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और वह घर नहीं लौटी। परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे।

इस बीच सोमवार को उन्हें पवित्रा के कीटनाशक पी लेने और मौत की खबर मिली, जिस पर वे मंदसौर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उनकी मौत हो गई।

हरित क्रांति अभियान में 14500 सीड बाल का बीजारोपण किया

नीमच 14 सितंबर (निप्र)। सीड बॉल हरित क्रांति अभियान के अंतर्गत कल 14,500, सीड बाल का बीजारोपण नीमच क्षेत्र में किया गया है जिसमें क्रमशः लगभग 4000 सीड बॉल (बीज की गेंद) जिसमें नीम,जामुन, पीपल, शीशम, इमली, चरल, आदि फलदार एवं छायादार पेड़ के सीड बॉल नीमच सिटी रोड मुक्ति धाम एवम आस पास के नाले नदी के किनारे के पास एवं कंटीली झाड़ियों के अंदर, मंदिर के बगीचे में, हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पूरे नीमच एवम आस पास के क्षेत्र में शुद्ध ऑक्सीजन फैलाने के लक्ष्य को पूरा कर रहे हैं इस अभियान में सीड बॉल एवं छायादार फलदार पौधे बस स्टेंड मुक्ति धाम में लगाए । इसी प्रकार हार्कियखाल डेम पर 5500 सीड बॉल उगाएं।

पौधारोपण एवं 5000 नीम जामुन इमली गुलमोहर खेजड़ी के सीड बॉल स्थापित करने का कार्यक्रम नीमच सिटी रामपुरा दरवाजा मुक्तिधाम पर किया गया ।

आपराधिक कानून बदले की लड़ाई का हथियार नहीं बन सकता - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 15 सितम्बर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि आपराधिक कानून को निजी बदले और दुश्मनी निकालने का जरिया नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने धोखाधड़ी के एक मामले में दर्ज FIR और चार्जशीट को रद्द कर दिया। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ लोग अपने स्वार्थ और गलत मकसद से आपराधिक न्याय व्यवस्था का दुरुपयोग कर रहे हैं। कोर्ट ने चेताया कि ऐसे मामलों पर सतर्क रहना जरूरी है। यह मामला 2023 में दर्ज FIR से जुड़ा था, जिसमें दो लोगों पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का आरोप लगाया गया था। लेकिन बेंच ने कहा कि शिकायत धोखाधड़ी की बुनियादी शर्तें पूरी नहीं करती।

2 अंतरराज्यीय अफीम तस्करों को सुनाई 14-14 साल की सजा

आदेश : 71 किलो अफीम तस्करी का मामला, 2-2 लाख का जुर्माना

नीमच 13 सितम्बर (निप्र)। विशेष एनडीपीएस अदालत, नीमच ने अंतरराज्यीय अफीम तस्करी के मामले में दो आरोपियों को सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र कुमार बाजोलिया ने धर्मेंद्र गुर्जर और भारत गुर्जर को 14-14 साल की जेल की सजा दी है। दोनों पर 2-2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। 27 मई 2017 को नीमच सिटी थाने के एसआई के.के. वसुनिया को मुखबिर से सूचना मिली। एक ट्रेलर में सोया डीओसी के कट्टों के बीच अफीम छिपाकर पंजाब ले जाई जा रही थी। पुलिस ने फोरलेन पर नाकाबंदी कर ट्रेलर को रोका। तलाशी में दो प्लास्टिक की पॉलीथीन में 71 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर धर्मेंद्र गुर्जर, भारत गुर्जर और गोपाल को गिरफ्तार किया। विचारण के दौरान गोपाल फरार हो गया। इसलिए उसके संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया। लोक अभियोजक चंचल बाहेती ने पैरवी की। अभियोजन ने सभी गवाहों के बयान कराकर अंतरराज्यीय अफीम तस्करी का अपराध साबित किया।

बघाना पुलिस को मिली बड़ी सफलताः मंडी परिसर में स्कूटी की डिक्की से हुई थी नकदी चोरी

24 घंटे में बरामद हुई 2 लाख की चोरी की नकदी

नीमच 13 सितम्बर (निप्र)। कृषि उपज मंडी परिसर बघाना में खड़ी स्कूटी की डिक्की से चोरी हुए 2 लाख रुपये को बघाना पुलिस ने मात्र 24 घंटे में ही बरामद कर लिया। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया और नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी बघाना निरीक्षक नीलेश अवस्थी के नेतृत्व में गठित टीम ने यह सफलता हासिल की।

मामला क्या था - दिनांक 11 सितंबर 2025 को फरियादी मिठ्ठूलाल (63) निवासी गोकुलधाम कॉलोनी, बघाना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी स्कूटी (टीवीएस वीगो) की डिक्की से अज्ञात बदमाश 2 लाख रुपये नगद और बैंक स्टेटमेंट चोरी कर ले गए। पुलिस ने अपराध क्रमांक 299/11.09.2025 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इस तरह पकड़ा गया सुराग - पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना पर तीन टीमें गठित कीं। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों के हुलिए के आधार पर ग्राम बिसलवास रोड बालाजी मंदिर क्षेत्र में नाकाबंदी की गई। पुलिस को देखकर तीन संदिग्ध मोटरसाइकिल से भाग निकले, लेकिन हड़बड़ाहट में एक थैला छोड़ गए। जांच में थैले से 2 लाख रुपये नकद और फरियादी का बैंक स्टेटमेंट बरामद हुआ। फरियादी ने मौके पर पहुंचकर इन्हें पहचान लिया।

आरोपी अब भी फरार - पुलिस ने तीन फरार आरोपियों की पहचान की है विकास पिता सेवकराम निवासी ग्राम मुंगावली, हाल निवासी ग्राम कडिया, जिला राजगढ़ प्रशांत पिता पोला निवासी कडिया सांसी, जिला राजगढ़ प्रशांत पिता गणेश निवासी गुलखेड़ी, जिला राजगढ़ तीनों आरोपी आदतन अपराधी बताए जा रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें रवाना कर दी गई हैं।

मुखबिर सूचना पर जीरन पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई,पकड़ाया राजस्थान का तस्कर

182 किलो डोडा चूरा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

नीमच, निप्र। प्रदेशभर में चल रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत नीमच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना जीरन पुलिस ने चीताखेड़ा रोड पर नाकाबंदी कर एक हुंडई कंपनी की कार से 182 किलो डोडा चूरा जब्त किया है। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया व नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी उमेश यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को मुखबिर से अवैध मादक पदार्थ के परिवहन की सूचना मिली थी। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने चीता खेड़ा रोड पर घेराबंदी कर हुंडई कार को रोका। तलाशी में कार से काले रंग के 10 कट्टों में भरा कुल 182 किलो डोडा चूरा बरामद हुआ।गिरफ्तार आरोपी की पहचान संदीप जाट पिता हीरालाल जाट (उम्र 35 वर्ष), निवासी नंगाखेड़ी थाना बड़ी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। आरोपी से मादक पदार्थ के स्त्रोत और नेटवर्क को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जब्त की गई हुंडई कार की कीमत करीब 11 लाख रुपये आंकी गई है। इस सफलता में थाना प्रभारी उमेश यादव और पुलिस सहायता केंद्र चीताखेड़ा टीम की सराहनीय भूमिका रही।

महिला केंद्रित वेब सीरीज एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं सना मकबूल

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल अब महिला केंद्रित वेब सीरीज के साथ वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अब फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए। उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसे किरदारों को सामने लाना चाहती थीं, जो साहस, उम्मीद और आत्म-खोज की मिसाल पेश करें। सना को आखिरी बार सुर्खियों में तब देखा गया था, जब जून में उनकी करीबी दोस्त, डॉ. आशना कंचवाला ने अस्पताल से एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर सना की एक बीमार हालत में तस्वीर साझा करते हुए आशना ने लिखा था, मेरी सबसे स्ट्रॉन्ग दोस्त। तुमने जैसी हिम्मत दिखाई है, मैं तुम पर गर्व करती हूं। तुम जल्द ही इस मुश्किल से बाहर आओगी। इसके कुछ दिन बाद, सना ने भी सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को धन्यवाद कहा और सभी से दुआओं की गुजारिश की। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने हाथ में एक डॉल पकड़ी थीं और लिखा था, मेरे इस तूफान के बीच, वह मेरे लिए पहला लैबूबू लाया। इसके साथ ही सना ने एक इंटरव्यू में अपने हेल्थ इश्यू के बारे में खुलकर बताया था। उन्होंने कहा था, इस बीमारी में शरीर अपने ही अंगों पर हमला करता है। मेरे केस में यह लिवर को प्रभावित कर रहा है। यह लुपस की तरह है, जिसमें किडनी या जोड़ों पर असर होता है।

लव इंश्योरेंस कंपनी में 2040 की मोहब्बत को फिर से परिभाषित करती दिखीं कृति शेट्टी

साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे होनहार युवा अभिनेत्रियों में से एक, कृति शेट्टी ने अपनी पहली फिल्म उप्पेना में अपनी सफलता के बाद से भावनात्मक रूप से समृद्ध और युवा भूमिकाएँ चुनने के लिए तेजी से अपनी पहचान बनाई है। मासूमियत और सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस का सुंदर मेल उनकी पहचान बन चुका है। अब वे विनेश शिवन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी में साइंस फिक्शन की दुनिया में बड़ा कदम रख रही हैं, जहाँ वह प्रतीक रंगनाथन के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। यह उनकी फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, क्योंकि वे छोटे शहरों की कहानियों और रोमांटिक कॉमेडी से निकलकर एक हाई-कॉन्सेप्ट फ्यूचरिस्टिक लव स्टोरी में नजर आएंगी, जो तकनीक, टाइम ट्रैवल और भावनाओं के धुंधले दायरों की पड़ताल करती है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर लव इंश्योरेंस कंपनी- फर्स्ट पंच में कृति के किरदार को साल 2040 की एक अनोखी साइंस-फिक्शन दुनिया में पेश किया गया है। सफेद पोशाक में सजी हुई, हाथों में फूल लिए, बारिश में बाहर निकलती कृति एक ऐसा दृश्य पेश करती हैं जिसे भूल पाना मुश्किल है। और अगर ये नजारा लंबे समय तक आपकी याद में न रहे, तो फिर क्या रहे? इसके बाद जो कहानी शुरू होती है, वो है 2040 की एक बेहद दिलचस्प प्रेम गाथा — एक ऐसा दौर जब दुनिया प्यार की भाषा और रोमांस को उस रूप में पीछे छोड़ चुकी है जैसा हम आज जानते हैं। जहां प्रतीक रंगनाथन का किरदार समय की परतों को पार करता है सच्चे प्यार की तलाश में, वहीं कृति इस ट्रेलर की विजुअल टोन को एंकर करती हैं — सजीव, सौम्य, भावनात्मक रूप से दूर, फिर भी संभवतः एक परिवर्तनकारी मोड़ के कगार पर।

लव इंश्योरेंस कंपनी कृति शेट्टी के करियर की अब तक की सबसे रोमांचक भूमिकाओं में से एक साबित हो सकती है — न केवल एक रोमांटिक लीड के रूप में, बल्कि एक ऐसे भविष्य की भावनात्मक और दार्शनिक केंद्र के रूप में भी, जो कल्पना की सीमाओं को चुनौती देता है। इंटरनेट पर कई फैन थ्योरीज सामने आ रही हैं, जिनमें कहा गया है कि उनका किरदार एक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) हो सकता है, जो अनजाने में प्रेम की अनुभूति करने लगता है। अगर ऐसा होता है, तो यह भूमिका कृति को एक बिल्कुल नए इमोशनल स्पेक्ट्रम को एक्सप्लोर करने का मौका देगी। हालांकि इन अटकलों पर मुहर तो सिर्फ कृति या फिल्म के निर्माता ही लगा सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि LIK में उनका रोल सीमाओं को लांघने वाला होगा।

'जातस्य मरणं ध्रुवं' के लिए मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ले रही हैं शीना चौहान

साउथ इंडियन एक्ट्रेस शीना चौहान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रही हैं। उनकी आने वाली फिल्म है 'जातस्य मरणं ध्रुवं', जिसमें वे एक आईपीएस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए वे मार्शल आर्ट की कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं। 'जातस्य मरणं ध्रुवं' में शीना की जोड़ी जेडी चक्रवर्ती के साथ जमेगी। जेडी को हिंदी फिल्म 'सत्या' में देखा गया था। एक्ट्रेस शीना कराटे में ब्राउन बेल्ट और एमएमए- कराटे चैंपियनशिप में राज्य स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। अब वे फिल्म में अपने कैरेक्टर को और दमदार बनाने के लिए मार्शल आर्ट सीख रही हैं। वह हैदराबाद में एक निजी कोच के साथ प्रतिदिन 90 मिनट की ट्रेनिंग ले रही हैं। इसमें ताकत के साथ ही आधुनिक युद्ध की बारीकी पर ध्यान केंद्रित करना सिखाया जा रहा है। इस बारे में बात करते हुए शीना ने कहा, मेरे लिए परफॉर्मेंस के साथ ही प्रक्रिया भी काफी महत्वपूर्ण है। चाहे वह मेरी मार्शल आर्ट हो, जिम वर्कआउट हो, या असली अधिकारियों का अध्ययन करने में बिताया गया समय हो, यह सब मुझे किरदार को ईमानदारी से जीने में मदद करता है। शीना को आखिरी बार फिल्म संत तुकाराम में देखा गया था। इसमें उन्होंने अवली जीजाबाई का किरदार बड़े ही प्रभावशाली ढंग के साथ निभाया था। इसके लिए लोगों और समीक्षकों ने उनकी तारीफ भी की थी। तेलुगु फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवं' एक सस्पेंस-थ्रिलर मूवी है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ आते हैं। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहीं मोनालिसा

प्रयागराज महाकुंभ से अपनी खूबसूरत आंखों को लेकर माला विक्रेता मोनालिसा खूब लोकप्रिय हुईं। किस्मत उन पर इस कदर मेहरबान हुई कि वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रख चुकी हैं। वे बॉलीवुड फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में पहले से काम कर रही हैं, इस बीच उनके हाथ एक साउथ फिल्म लगी है। वायरल गर्ल मोनालिसा मलयालम फिल्म नागम्मा में नजर आएंगी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक माला विक्रेता मोनालिसा भोसले आगामी मलयालम फिल्म नागम्मा में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में इस फिल्म की पूजा सेरेमनी हुई, इसमें भी मोनालिसा ने शिरकत की। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें भी शेयर कीं। मोनालिसा ने आगामी मलयालम फिल्म की पूजा सेरेमनी की जो फोटोज शेयर की हैं, उनमें उनके साथ नीलाथमारा के एक्टर कैलाश भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में मोनालिसा कैलाश के अपोजिट दिखाई देंगी। पी बीनू वर्गीस इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। वहीं, जीली जॉर्ज फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। नागम्मा में मोनालिसा महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। फिल्म नागम्मा की शूटिंग सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है। मोनालिसा की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके करीब सात लाख फॉलोअर्स हैं।

विवेक के नाम का कभी फायदा नहीं उठाया

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय के चचेरे भाई अक्षय ओबेरॉय भी एक एक्टर हैं और उन्होंने भी कई फिल्मों में काम किया है। हाल ही में अक्षय सुर्खियों में आ गए हैं, क्योंकि उन्होंने विवेक ओबेरॉय के साथ अपने रिश्ते पर बात की और पारिवारिक संबंधों पर विचार प्रकट किए। उन्होंने बताया कि दोनों भाईयों के बारे में इंडस्ट्री में बहुत कम लोगों को पता है। अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फ्री प्रेस जर्नल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं यह बात पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं क्योंकि किसी को नहीं पता था कि हम रिश्तेदार हैं। यहां तक कि कास्टिंग करने वाले को भी नहीं, किसी को पता नहीं था। मैंने कभी इस बात का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं किया। मैंने कभी किसी से कहा नहीं क्योंकि मुझे क्या मिलता?'

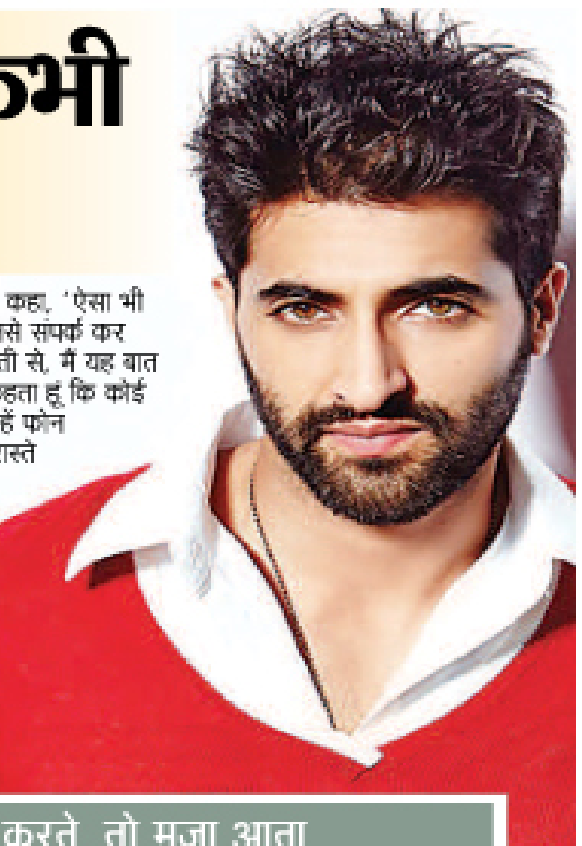

आगे बातचीत में अक्षय ओबेरॉय ने कहा, 'ऐसा भी नहीं था कि मैं उन्हें फोन करके उनसे संपर्क कर पाता, आप जानते ही हैं। बदकिस्मती से, मैं यह बात गर्व से नहीं, बल्कि दुख के साथ कहता हूं कि कोई सच्चा रिश्ता ही नहीं था। तो, मैं उन्हें फोन करके क्या पूछता? मैं बस अपने रास्ते पर चलता रहा।' करियर को लेकर जवाब देते हुए अक्षय ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन था कि कोई मेरी मदद नहीं करेगा। इस क्षेत्र में मेरा कोई गुरु, गॉडफादर या मार्गदर्शक नहीं था।

साथ मिलकर काम करते, तो मजा आता

अंत में उन्होंने कहा, हमारे परिवारों में कभी बनती नहीं थी, और मैं यहां था। शायद हम एक परिवार के तौर पर इस लिहाज से बदकिस्मत थे। वो (विवेक ओबेरॉय) और उनके पिता, दोनों ही बहुत अच्छे अभिनेता हैं, और मुझे उस वंश से होने पर गर्व है। लेकिन अगर हम साथ मिलकर काम कर पाते, तो मजा आता।'

अब तक किन टीवी अभिनेत्रियों ने निभाई नागिन की भूमिका, सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश का बरसेगा कहर

एकता कपूर के टीवी सीरियल नागिन के हर सीजन में अलग-अलग अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका में नागिन बनी हैं। इनकी अदाकारी ने दर्शकों को खूब लुभाया है। इस लिस्ट में मौनी रॉय, अदा खान, सुरभि ज्योति, अनीता हसनंदानी, निया शर्मा, सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश जैसी एक्ट्रेस ने रातोंरात प्रसिद्धि हासिल की है। जानिए अब सातवें सीजन में कौन सी अभिनेत्री नजर आ सकती है।

नागिन सीजन 1

नागिन सीरीज 2015 में शुरू हुई थी। हर सीजन में मुख्य नागिन का किरदार एक या ज्यादा अभिनेत्रियां निभाती हैं। नागिन के पहले सीजन में मौनी रॉय और अदा खान ने नागिन की भूमिका निभाई थी। मौनी रॉय को नागिन सीरियल से प्रसिद्धि मिली। सीजन 1 में मौनी ने शिवन्या नाम की मुख्य नागिन का रोल निभाया। यह एक इच्छाधारी नागिन थी, जो अपने माता-पिता की हत्या का बदला लेती है। अर्जुन बिजलानी और अदा खान उनके साथ थे। यह सीजन जबरदस्त हिट हुआ था।

नागिन सीजन 2

नागिन का दूसरा सीजन 8 अक्टूबर 2016 को शुरू हुआ था। इस सीजन में भी मौनी ने शिवांगी का रोल किया, जो शिवन्या की बेटी थी। यहां उन्होंने नागिन के रूप में जहर भरी अदाओं और इमोशनल सीन दिखाए। करणवीर बोहरा और अदा खान फिर साथ थे। मौनी की डांसिंग और ट्रांसफॉर्मेशन सीन आज भी फेमस हैं।

नागिन सीजन 3

नागिन का सीजन 3, 2 जून 2018 से 26 मई 2019 तक चला। इसमें सुरभि ज्योति मुख्य नागिन बनीं। उन्होंने बेला सहगल और श्रावणी सिप्पी के डबल रोल किए, जो शेषनाग वंश की नागरानी थीं। यह सीजन सबसे लंबा चला और काफी हिट रहा। पर्ल वी पुरी और अनीता हसनंदानी उनके साथ थे।

निया शर्मा – नागिन सीजन 4

सीजन 4 नागिन – भाग्य का जहरीला खेल 14 दिसंबर 2019 से 8 अगस्त 2020 तक चला। इसमें निया ने बृंदा का मुख्य रोल किया, जो शेषनाग वंश की नागिन थी। कोविड के कारण शो रुका भी, लेकिन फिर चला। विजयेंद्र कुमेरिया और जस्मिन भसीन साथ थे।

सुरभि चंदना – नागिन सीजन 5

नागिन सीजन 5 में सुरभि चंदना ने बानी शर्मा का रोल निभाया, जो शेषनाग वंश से सर्वश्रेष्ठ आदि नागिन थी। शरद मल्होत्रा और मोहित सहगल उनके को-स्टार थे। सुरभि की दमदार ऐक्टिंग और नागिन के रूप में ट्रांसफॉर्मेशन सीन खूब पसंद आए। यह सीजन भी हिट रहा।

तेजस्वी प्रकाश – नागिन सीजन 6

नागिन सीजन 6 सबसे लंबा चला। तेजस्वी प्रकाश ने प्रथा गुजराल/ प्रार्थना /प्रगति के ट्रिपल रोल किए, जो वासुकी कबीले की महा शेष नागिन थीं। बिग बॉस 15 जीतने के बाद यह उनका पहला बड़ा शो था। सिम्बा नागपाल, महक चहल और वत्सल सेठ साथ थे।

नागिन सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश

अब नागिन 7 की बात। एकता कपूर ने 2025 में इसकी अनाउंसमेंट की और दो साल के इंतजार के बाद टीजर रिलीज हो गया। यह सीजन भी कलर्स टीवी पर आएगा, लेकिन अभी रिलीज डेट कन्फर्म नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश ही मुख्य नागिन का रोल निभाएंगी। वह सीजन 6 की तरह ही वापसी करेंगी, लेकिन नई कहानी के साथ।

पेड़ लगाना धर्म हमारा उसे बचाना कर्म हमारा, शहरवासी हरित नीमच अभियान में सहभागी बने - श्रीमती चोपड़ा

नपाध्यक्ष ने लायंस चौराहा सर्किल पर किया पौधारोपण

नीमच । नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में अमृत हरित योजना के तहत शहर में प्रारंभ किए गए हरित नीमच अभियान के अंतर्गत शनिवार 13 सितंबर को वार्ड क्रमांक 34 स्थित लायंस चौराहे पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने सीआरपी रोड पर रविंद्र नाथ टैगोर सर्कल सहित अन्य स्थानों पर समाजसेवी संतोष चोपड़ा, सांसद प्रतिनिधि आदित्य मालू, वासुदेव गर्ग, पार्षद श्रीमती शारदा दीपक पाटनी एवं वार्ड वासियों के साथ विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित जनों ने पेड़ लगाना धर्म हमारा इसे बचाना कर्म हमारा जेसे नारे लगाकर क्षेत्र वासियों को पौधारोपण के प्रति जागरूक किया ।

इस अवसर पर 80 वर्षीय वृद्धा श्रीमती शारदा बंसल के हाथों एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी करवाया गया! इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमती चोपड़ा ने कहां की हमारे द्वारा हरित नीमच अभियान के तहत शहर में विभिन्न स्थानों, सर्किल एवं वाटिकाओं में पौधारोपण कर शहर को हरा भरा बनाने का प्रयास किया जा रहा है! शहर के नागरिक भी हरित नीमच अभियान के तहत पौधारोपण कर शहर को हरियाली युक्त बनाने में सहयोग प्रदान करे !इस अवसर पर उपस्थित पर्यावरण प्रेमियों ने पौधों की देखभाल एवं उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया! कार्यक्रम के दौरान श्रीमती चोपड़ा व उपस्थितजनों ने लायंस चौराहा स्थित टैगोर सर्कल तथा त्रिकोण वाले सर्किल पर चंपा, टिकॉन प्रजाति के पौधों का रोपण किया तथा पाम के जो पौधे डिवाइडर पर सूख चुके थे उनकी जगह नए पौधे लगाए ।

तलाकशुदा विधवा पोरवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 18 सितंबर को नीमच में

नीमच । अखिल भारतीय पोरवाल महासभा एवं अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में तलाकशुदा विधवा के लिए एक दिवसीय परिचय सम्मेलन आगामी 18 सितंबर को नीमच में आयोजित होने जा रहा है जिसमें लगभग सभी तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है अखील भारतीय पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री मांगीलाल सेठिया ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर अखिल भारतीय पोरवाल महासभा एवं युवा संगठन ने पत्रिका का विमोचन किया जाएगा । कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर मंदसौर क्षेत्रीय विधायक दिलीप सिंह परिहार नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा को आमंत्रित किया गया है ।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक बंशीलाल धनोतिया अध्यक्ष मुकेश पोरवाल राष्ट्रीय महामंत्री मांगीलाल सेठिया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अध्यक्ष मुकेश दानगढ़ शामगढ़नीमच चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश चोधरी अखिल भारतीय पोरवाल महासंघ के प्रचार मंत्री देवीलाल फरक्या राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विकास गुप्ता पूर्व जिला अध्यक्ष गोविंद पोरवाल झालरापाटन अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र सधवी देवास राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया मंदसौर संरक्षक गोविंद डबकरा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र काला जिला अध्यक्ष प्रकाश मंडवारिया जिला अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता मन्दसौर नगर अध्यक्ष शांतिलाल गुप्ता महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता डबकरा युवा संगठन जिला अध्यक्ष कमलेश पोरवाल नगर अध्यक्ष विश्वास मंडवारिया कार्यक्रम में बिना प्रवेशिका के प्रवेश वर्जित रहेगा जितने भी बायोडाटा दिया है जो प्रत्याशी है वह स्वयं एवं माता-पिता की ही उपस्थिति रहेगी । कार्यक्रम ठीक 11:00 बजे प्रारंभ कर दिया जाएगा मां सरस्वती एवं राजा टोडरमल जी के चित्र पर माल्या अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा । प्रत्याशी मंच पर अपना स्वयं परिचय देंगे । कार्यक्रम नीमच के टाउन हॉल में सम्पन्न होगा ।

इनरव्हील डायमंड की पहल "मेरी किताब पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया" प्रकल्प सम्पन्न

नीमच । इनरव्हील क्लब ऑफ नीमच डायमंड द्वारा गोद लिए गए शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में मण्डल स्तर पर प्राप्त परियोजना "मेरी किताब – पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया" के अंतर्गत छात्राओं को 500 से अधिक रजिस्टर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष पूजा गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकों का अध्ययन जीवन में सबसे बड़ा निवेश है। किताबें ही बच्चों को नई दिशा और बेहतर व्यक्तित्व प्रदान करती हैं। इसी सोच के साथ यह परियोजना चलाई गई है । विद्यालय की प्राचार्य व स्टॉफ ने भी उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब द्वारा छात्राओं को इतने रजिस्टर प्राप्त कराने से छात्राओं की अध्ययन में और अधिक रुचि बढ़ेगी तथा परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी। यह महत्वपूर्ण प्रकल्प क्लब की एडिटर श्रीमती शिवांगी जैन के सहयोग से संपन्न हुआ। क्लब ने उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में क्लब सचिव पायल गुर्जर कोषाध्यक्ष दिव्या जैन आई.पी. पी.पूजा खण्डेलवाल उपाध्यक्ष रिंकी तापड़िया, पलक खण्डेलवाल, दीपिका खण्डेलवाल, रिंकू प्रजापति, प्रियंका नागदा, जयंती एनिया सहित बड़ी संख्या में क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

हिंदी है भारत मां के भाल की बिंदी -डॉ. सुरेंद्र शक्तावत

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस नीमच में मनाया हिंदी दिवस

नीमच । हिंदी भाषा प्रत्येक भारतीय के जन्म से लेकर मृत्यु तक जुड़ी हुई है यह भारत की आत्मा है इसलिए हिंदी भारत माता के भाल की बिंदी है ।हिंदी के बिना हिंदुस्तान की कल्पना नहीं की जा सकती है। संस्कृत से उत्पन्न हिंदी आज किसी की मोहताज नहीं है वह अपने दमखम पर विश्व में अपना परचम लहरा रही है ।इसलिए हिंदी भाषियों को कतई निराश होने की आवश्यकता नहीं है उनका भविष्य उज्ज्वल है ।आने वाली सदी हिंदी और हिंदुस्तान की होगी उक्त उद्गार स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में हिन्दी दिवस कार्यक्रम मैं मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रख्यात इतिहासकार एवं साहित्य सेवी डॉ. सुरेंद्र शक्तावत में व्यक्त किये । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज नीमच के प्राचार्य डॉ. प्रशांत मिश्रा ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में अंतर्राष्ट्रीय भाषा लोकल भाषाओं को समाप्त कर देती है। बहुत से ऐसी भाषाएं है जो अंग्रेजी के मुकाबले सरवाइव नहीं कर पाई आज उनका अस्तित्व समाप्त हो गया है। अंग्रेजी ने हिंदी को भी डोमिनेट करने की कोशिश की है किंतु हिन्दी हमारी आन बान शान है। उन्होंने भाषा विज्ञान की दृष्टि से हिन्दी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विशेष अतिथि के रूप में महाविद्यालय के जन भागीदारी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री विश्व देव जी शर्मा ने हिन्दी के वर्णों की संख्या बताते हुए कहा कि हिंदी में 52 वर्ण है अन्य भाषाओं के वर्णों मैं सबसे भारी है। वह आगे कहते हैं - हिन्दी के वर्ण 'अ' से अनपढ़ से शुरू होकर 'ज्ञ' से ज्ञानी बनाकर छोड़ती है। यही हमारी हिन्दी की विशेषता है। डॉ. संजय जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी संस्कृत की पुत्री है चारों वेद संस्कृत में है। तथा एक वैज्ञानिक भाषा का दर्जा केवल हिंदी को प्राप्त है जिसमें जैसा बोला जाता वैसा ही लिखा जाता है।

डॉ.सी.पी.पंवार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी भाषा में संवेदना के साथ-साथ मानव मात्र के प्रति कल्याण की कामना है तुलसी सूर्य कबीर रहीम दास आदि हिंदी के महान कवि हुए हैं जिन्होंने हिंदी के माध्यम से राष्ट्र की सेवा की। इस अवसर पर कला संकाय की संकायाध्यक्ष डॉ. प्रभावती भावसार एवं एबीवीपी नगर मंत्री नितेश गुर्जर भी मंचासीन थे ।

डोडा चूरा तस्करी का मास्टरमाइंड पकड़ाया

फॉलोअप : 550 किलो डोडा चूरा जब्त, मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

नीमच। जिले की जीरन पुलिस ने डोडाचूरा तस्करी के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दो दिन पहले 550 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त करने के बाद की गई है। जीरन पुलिस टीम ने गुरुवार को हर्कियाखाल फंटा फोरलेन हाईवे पर वाहन जांच के दौरान एक बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और पिकअप (एमपी 09 केडी 6519) को रोका। पिकअप से 22 प्लास्टिक के कट्टों में 550 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा मिला।

पुलिस ने मौके पर पिकअप चालक अजय सिंह सोंधिया राजपूत को गिरफ्तार किया। साथ ही मोटरसाइकिल पर सवार विकास भील और दिलीप सोंधिया राजपूत को भी पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि डोडाचूरा मंदसौर के काचरिया कदमाला निवासी भोपाल सिंह सोंधिया राजपूत ने दिया था। शनिवार को पुलिस ने मुख्य सप्लायर भोपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब डोडाचूरा के स्रोत और इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने क्रेटा कार से पकड़ा 40 किलो डोडाचूरा

नीमच, निप्र। जिले में नशे के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई के तहत हर्कियाखाल चौकी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फोरलेन हाईवे हर्कियाखाल फंटे पर नाकाबंदी कर संदिग्ध क्रेटा कार (आरजे 27 सीपी 5688) को रोका। तलाशी के दौरान कार से दो प्लास्टिक की बोरियों में भरा 40 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया। इसकी कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त करीब 3 लाख रुपए की कीमत की क्रेटा कार को भी जब्त कर लिया। जीरन थाना प्रभारी उमेश यादव के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में पुलिस ने खेरमालिया, थाना बघाना, जिला नीमच निवासी जसवंत सिंह सोंधिया राजपूत (25) को गिरफ्तार किया है। आरोपी से डोडा चूरा के स्रोत और गंतव्य को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

अफीम नीति वर्ष 2025-26 से अफीम किसानों के लिए बड़ी राहत

सांसद गुप्ता ने जताया केन्द्र सरकार का आभार

मंदसौर । केन्द्र सरकार द्वारा नई अफीम नीति वर्ष 2025-26 घोषित कर दी। नई अफीम नीति से किसानों को राहत मिलेगी। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि सीपीएस पद्धति के अंतर्गत ऐसे किसान जिन्होने वर्ष 2024-25 में पोस्ता भूसा 900 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक तुलवाया है वह सभी किसान इस वर्ष चीरा पद्धति से अफीम खेती कर सकेंगे। वे किसान जिन्होने 4.2 से अधिक मार्फिन जमा कराई है वे सभी किसान इस वर्ष भी चीरा पद्धति में पात्र होंगे। ऐसे किसान जो वर्ष 2023-24 प्रति हेक्टेयर 675 किलोग्राम से कम पोस्ताभूसा की उपज देने के कारण फसल वर्ष 2024-25 के लिए निलंबित किए गए थे उन किसानों को राहत प्रदान करते हुए इस वर्ष अफीम खेती करने के लिए पात्र होंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 1995-96 के बाद के वे सभी अफीम किसान जो पिछले वर्ष की नीतियों में अफीम लायसेंस के लिए पात्र थे परंतु किसी कारण से लायसेंस जारी नही हुए या फिर अफीम खेती नही कर पाए ऐसे सभी किसान और उनके वैध वारिस लायसेंस के लिए पात्र होंगे। वर्ष 2023-24 एवं 2025-26 में अपनी संपूर्ण खड़ी पोस्ता फसल संबंधित अधिकारियों की निगरानी में जुताई करा दी गई हो, लेकिन वर्ष 2022-23 के दौरान अपनी पूरी फसल न जुतवाई हो ऐसे किसान अफीम फसल वर्ष 2025-26 में पात्र होंगे। इसी के साथ ही वे किसान जो फसल वर्ष 2024-25 में लायसेंस पाने के पात्र थे और किसी कारणवश पट्टा प्राप्त नही कर पाये ऐसे किसान भी इस वर्ष अफीम लायसेंस के लिए पात्र होंगे।

ऐसे किसान जिनके लायसेंस एनडीपीएस प्रकरण के कारण निरस्त कर दिए गए थे परंतु न्यायालय द्वारा दोष मुक्त कर दिए गए है तो वे सभी किसान भी अफीम लायसेंस के लिए पात्र होंगे।

ऐसे अफीम किसान जिन्होने 800 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम पोस्त भूसा तुलवाया है उनके लायसेंस भी निरस्त ना करते हुए केवल एक वर्ष के लिए प्रतिबंधित किए गए है परंतु उनके पास अगले फसल वर्ष के लिए लायसेंस बना रहेगा। इसी के साथ ही यदि काश्तकार चाहे तो लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र को पूरा करने के लिए दूसरों की भूमि को पट्टे पर ले सकता है। सीपीएस पद्धति के लिए खेती के जो किसान पात्र हो गए हैं, उन्हें आगामी 5 वर्षों के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे, जो कि फसल वर्ष 2025-26 से जारी होकर फसल वर्ष 2029-30 तक प्रभावी रहेंगे। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि पात्र काश्तकारों के नाम सीबीएन वेबसाइट और सीबीएन ऑनलाइन पॉर्टल पर अपलोड किए जाएंगे तथा उन्हें मोबाइल नंबर पर संबंधित संदेश, मेल आदि माध्यमों से सूचित किया जाएगा। ऐसा करने से किसान पॉलिसी जारी होने के कुछ समय के भीतर ही पात्रता सूची में अपना नाम देख सकेंगे। सरकार का यह कदम लाइसेंस वितरण प्रक्रिया को सरल व सहज करेगा। इससे पारदर्शिता भी आएगी। अब किसान ऑनलाइन फॉर्म भरकर लाइसेंस प्राप्त कर सकता है तथा पात्र किसानों की सूची भी वेबसाइट पर अपलोड हो जाएगी।

सांसद गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार किसानों के हक में निर्णय लिए जा रहे है। विशेषकर अफीम किसानों के लिए नई अफीम नीति वर्ष 2025-26 से राहत मिलेगी और किसानों को इससे लाभ मिलेगा। इस पॉलिसी में किसानों के द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने फिर एक बार किसान हितेषी अफीम पॉलिसी को जारी किया है। इसके लिए सांसद सुधीर गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का आभार प्रकट किया।